राष्ट्रीय ज्योतिर विज्ञान संस्थान

www.rjvs.org

राष्ट्रीय ज्योतिर विज्ञान संस्थान

VEDIC ASTROLOGY PROFESSIONAL COURSE

राष्ट्रीय ज्योतिर विज्ञान संस्थान

भारतीय वैदिक ज्योतिष में करियर एवं ज्ञान का सुनहरा अवसर

राष्ट्रीय ज्योतिर विज्ञान संस्थान में आपका स्वागत है। हमारा उद्देश्य प्राचीन भारतीय ज्योतिष विज्ञान को सरल, वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक रूप में विद्यार्थियों तक पहुँचाना है। यह कोर्स शुरुआती विद्यार्थियों से लेकर प्रोफेशनल ज्योतिषी बनने के इच्छुक छात्रों के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है।

राष्ट्रीय ज्योतिर विज्ञान संस्थान

COURSE HIGHLIGHTS

- ✅ सम्पूर्ण वैदिक ज्योतिष का अध्ययन
- ✅ जन्म कुण्डली का गहन विश्लेषण
- ✅ योग एवं दोषों की पहचान
- ✅ विवाह, करियर, शिक्षा एवं संतान सम्बन्धी भविष्यवाणी
- ✅ दशा एवं गोचर फलादेश
- ✅ प्रैक्टिकल चार्ट एनालिसिस
- ✅ प्रमाण पत्र (Certificate) प्रदान किया जाएगा

राष्ट्रीय ज्योतिर विज्ञान संस्थान

COURSE SYLLABUS

MODULE 1 : ज्योतिष का आधारभूत ज्ञान

- ज्योतिष एक परिचय
- सौरमण्डल के अनुसार ग्रह
- ग्रह और ज्योतिष सम्बन्ध
- ग्रहों का स्वभाव, लिंग, रंग, धातु एवं विस्तृत जानकारी
- ग्रहों की मित्रता एवं शत्रुता
- उच्च, नीच एवं स्वराशि ग्रह
- ग्रहों की दृष्टियाँ
- ग्रहों का बल, वर्गीकरण, वक्री एवं मार्गी ग्रह
- उदय एवं अस्त ग्रह
- ग्रहों की गति एवं दिशाएँ
- शुभ एवं अशुभ ग्रह

COURSE SYLLABUS

MODULE 2 : राशियों का विस्तृत अध्ययन

- 12 राशियों का परिचय
- राशियों के चिन्ह एवं स्वामी
- राशियों का स्वरूप
- राशियों के तत्व, वर्ण एवं लिंग
- राशियों की दिशाएँ
- राशियों के गुण एवं धर्म

COURSE SYLLABUS

MODULE 3 : पंचांग एवं नक्षत्र

- पंचांग का विस्तृत अध्ययन
- तिथि, वार, योग, करण एवं नक्षत्र
- नक्षत्रों का महत्व एवं फलादेश

COURSE SYLLABUS

MODULE 4 : भाव विचार (House Analysis)

- 12 भावों का परिचय
- भावों के नाम, अर्थ एवं कारक
- भावों के सम्बन्ध
- शुभ एवं अशुभ भाव
- भावों के अंग एवं उपांग
- भावों का स्वभाव, लिंग एवं गुणधर्म

राष्ट्रीय ज्योतिर विज्ञान संस्थान

COURSE SYLLABUS

MODULE 5 : ग्रह फल एवं भावफल

- सूर्य का 12 भावों में फल
- चन्द्र का 12 भावों में फल
- मंगल का 12 भावों में फल
- बुध का 12 भावों में फल
- बृहस्पति का 12 भावों में फल
- शुक्र का 12 भावों में फल
- शनि का 12 भावों में फल
- राहु का 12 भावों में फल
- केतु का 12 भावों में फल

COURSE SYLLABUS

MODULE 6 : ग्रह युति एवं भावेश फल

ग्रह युति फल

- दो ग्रहों की युति
- तीन ग्रहों की युति
- चार ग्रहों की युति
- पाँच ग्रहों की युति
- छह ग्रहों की युति

भावेश फल

- लग्नेश से द्वादशेश तक सभी भावेशों का 12 भावों में फल

COURSE SYLLABUS

MODULE 7 : योग एवं दोष

- राजयोग
- नीचभंग राजयोग
- लक्ष्मी योग
- गजकेसरी योग
- अमला योग
- अन्य महत्वपूर्ण योग

COURSE SYLLABUS

MODULE 8 : वर्ग कुण्डलियाँ (Divisional Charts)

- होरा कुण्डली (D-2)
- द्रेष्काण कुण्डली (D-3)
- चतुर्थांश कुण्डली (D-4)
- सप्तांश कुण्डली (D-7)
- नवांश कुण्डली (D-9)
- दशांश कुण्डली (D-10)
- द्वादशांश कुण्डली (D-12)
- चतुर्विंशांश कुण्डली (D-24)
- त्रिंशांश कुण्डली (D-30)

राष्ट्रीय ज्योतिर विज्ञान संस्थान

COURSE SYLLABUS

MODULE 9 : गोचर फलादेश

- गोचर सिद्धांत
- ग्रहों से प्रश्नों की जानकारी
- गोचर ग्रहों का फल एवं समयकाल
  ग्रह गोचर फल
- सूर्य गोचर
- चन्द्र गोचर
- मंगल गोचर
- बुध गोचर
- गुरु गोचर
- शुक्र गोचर
- शनि गोचर
- राहु गोचर
- केतु गोचर
- शनि की साढ़ेसाती एवं ढैया
- पायाफल

COURSE SYLLABUS

MODULE 10 : दशा प्रणाली

- विंशोत्तरी दशा का परिचय
- महादशा फल
- अंतरदशा फल
- प्रत्यंतर दशा फल
- भद्रक वर्ग सिद्धांत एवं फलित नियम

राष्ट्रीय ज्योतिर विज्ञान संस्थान

COURSE SYLLABUS

MODULE 11 : प्रैक्टिकल ज्योतिष

विवाह विश्लेषण

- विवाह योग
- विवाह का समय
- जीवनसाथी का स्वभाव
- विलम्बित विवाह
- प्रेम विवाह योग
- तलाक योग
- अष्टकूट मिलान
- मांगलिक दोष एवं परिहार

संतान विश्लेषण

- संतान सुख के नियम
- D-7 कुण्डली से फलादेश

शिक्षा विश्लेषण

- D-24 कुण्डली से फलादेश

करियर एवं व्यवसाय

- नौकरी कैसे देखें
- व्यापार कैसे देखें
- D-10 कुण्डली से फलादेश

कालसर्प दोष

- कालसर्प दोष कब एवं क्यों बनता है
- प्रभाव एवं उपाय

राष्ट्रीय ज्योतिर विज्ञान संस्थान

COURSE BENEFITS

- ✅ स्वयं की एवं अन्य व्यक्तियों की कुण्डली पढ़ना सीखें
- ✅ विवाह, करियर, शिक्षा एवं संतान सम्बन्धी भविष्यवाणी करें
- ✅ प्रोफेशनल ज्योतिषी के रूप में करियर बनाएं
- ✅ आध्यात्मिक एवं वैदिक ज्ञान प्राप्त करें

राष्ट्रीय ज्योतिर विज्ञान संस्थान

CERTIFICATION

कोर्स पूर्ण होने पर विद्यार्थियों को RASHTRIYA JYOTIR VIGYAN SANSTHAN द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा।

राष्ट्रीय ज्योतिर विज्ञान संस्थान

CONTACT US

RASHTRIYA JYOTIR VIGYAN SANSTHAN

"ज्ञान • परंपरा • भविष्य"